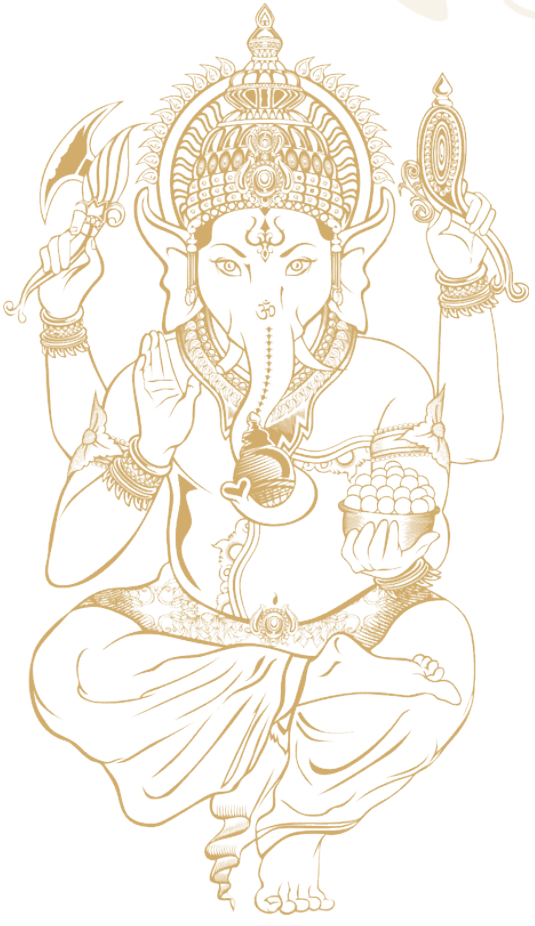

Hemant soni

Swarnim soni

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121390206

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
19/12/1996 :	जन्म तिथि	: 06/08/1999
गुरुवार :	दिन	: शुक्रवार
घंटे 13:15:00 :	जन्म समय	: 09:25:00 घंटे
घटी 15:35:42 :	जन्म समय(घटी)	: 08:28:02 घटी
India :	देश	: India
Khargone :	स्थान	: Khandwa
21:49:00 उत्तर :	अक्षांश	: 21:49:00 उत्तर
75:39:00 पूर्व :	रेखांश	: 76:23:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:27:24 :	स्थानिक संस्कार	: -00:24:28 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
07:00:43 :	सूर्योदय	: 05:58:51
17:48:37 :	सूर्यास्त	: 19:01:32
23:48:54 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:50:53

विंशोत्तरी बुध 2वर्ष 3मा 27दि		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी सूर्य 0वर्ष 7मा 29दि	
शुक्र		19:25:58	मीन	लग्न	कन्या	05:34:44	राहु	
17/04/2006		03:52:46	धनु	सूर्य	कर्क	19:25:20	05/04/2017	
17/04/2026		28:10:32	मीन	चंद्र	वृष	08:31:22	05/04/2035	
शुक्र	17/08/2009	00:44:11	कन्या	मंगल	तुला	20:09:25		
सूर्य	17/08/2010	23:44:56	धनु	बुध	कर्क	04:44:09	राहु	17/12/2019
चन्द्र	17/04/2012	28:28:06	धनु	गुरु	मेष	10:33:10	गुरु	12/05/2022
मंगल	17/06/2013	08:47:37	वृश्चि	शुक्र व	सिंह	10:17:39	शनि	18/03/2025
राहु	17/06/2016	07:01:14	मीन	शनि	मेष	22:49:57	बुध	05/10/2027
गुरु	16/02/2019	10:26:53	कन्या व	राहु	कर्क	19:06:24	केतु	23/10/2028
शनि	17/04/2022	10:26:53	मीन व	केतु	मक	19:06:24	शुक्र	23/10/2031
बुध	15/02/2025	08:46:53	मक	हर्ष व	मक	21:01:56	सूर्य	16/09/2032
केतु	17/04/2026	02:33:45	मक	नेप व	मक	08:50:16	चन्द्र	18/03/2034
		10:07:21	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	13:56:06	मंगल	05/04/2035

लग्न-चलित

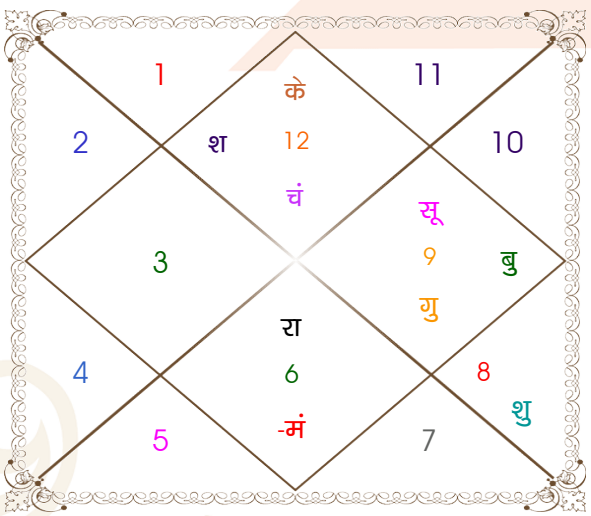

लग्न-चलित

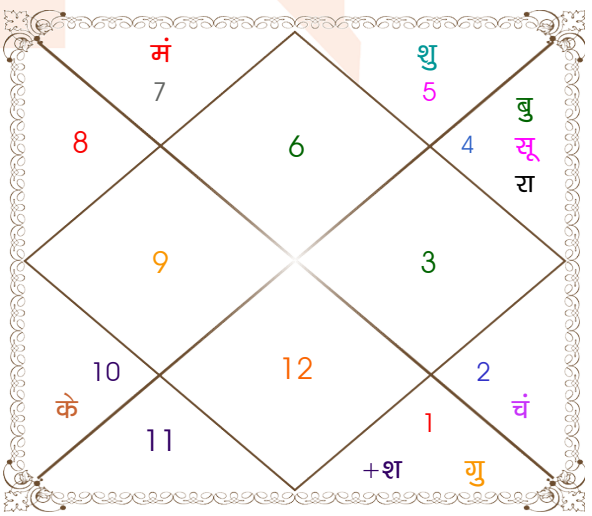

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	मेष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शुक्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	15.00		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि भ्मउंदज`वदप का नक्षत्र रेवती है।

भ्मउंदज`वदप का वर्ग सिंह है तथा ॅतदपउ`वदप का वर्ग गरूड़ है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार भ्मउंदज`वदप और ॅतदपउ`वदप का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

भ्मउंदज`वदप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु भ्मउंदज`वदप कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ॅतदपउ`वदप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु ूतदपउे वदप कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

भ्मउंदजे वदप तथाूतदपउे वदप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।